Date :-

INDEX

Page No.- 01

S.No.	Topic	Page No	Sign.
1.	प्रस्तावना	04-06	
2.	अनुसंधान का अर्थ	07-08	
3.	क्रियात्मक पक्ष	09-10	
4.	• समस्या		
	• प्रस्तावना		
	• उद्देश्य		
4.	समस्या से संबंधित कारणों का विश्लेषण	11-11	
5.	परिकल्पना	12-14	
6.	परिणाम	15	
7.	क्रियात्मक विधि	16	
8.	परिणाम की व्याख्या, परिणाम	17-18	
9.	निष्कर्ष	19	
10.	सुझाव	20-21	
11.	संदर्भ ग्रंथ	22	

Scanned by CamScanner

Date :-

आभार पत्र

मैं गणेश कुमार साह "ओरिएंटल कॉलेज ऑफ एजुकेशन दरभंगा" में B.Ed. द्वितीय वर्ष का छात्र हूँ। जो मेरा कॉलेज क्रमांक (Roll No:- 75 और यूनिवर्सिटी क्रमांक (Roll No:- 1820272 है, जो कि मब्बी पश्चिमी शीशो दरभंगा में स्थित है।

प्रस्तुत शोध कार्य मैंने "मिथिला उच्च विद्यालय मखनाही दरभंगा" में कक्षा 9 के विद्यार्थियों पर किया था। कक्षा-9 के छात्रों में भूगोल (Geography) विषय में रुचि न होने की समस्या पायी। इस समस्या के समाधान में विद्यालय के शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य द्वारा पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। इस सहयोग के लिए मैं सभी शिक्षकों का बहुत-बहुत आभारी हूँ। इसके अतिरिक्त कक्षा-9 के छात्र-छात्राओं ने भी अपना पूरा-पूरा सहयोग दिया, जो कि इस शोध कार्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण था और मेरे लिए भी महत्वपूर्ण रहा।

इस शोध कार्य के लिए मैं अपने "ORIENTAL COLLEGE OF EDUCATION DARBHANGA" के शिक्षा विभाग के शिक्षकों का भी आभारी हूँ। आदरणीय प्राचार्य मो० जी० एम अंसारी

Scanned by CamScanner

उप-प्राचार्य श्री घनश्याम झा, मो॰ सोहराब आलम, मो॰ साजिद सर, शिव सर तथा श्री मकेश्वर प्रसाद सिंह सर जिन्होंनें इस शोध कार्य में अपना सहयोग तथा उचित मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके लिए मैं अपने शिक्षकगणों की सहृदय आभारी हूँ। गुरुजनों के साथ-साथ कॉलेज के कर्मचारियों की भी आभारी हूँ, जिन्होंने आवश्यकता पड़ने पर अपनी सहायता प्रदान की। सहपाठियों द्वारा भी प्रत्येक कार्य में सहायता मिली।

अतः अंत में मैं सभी का आभार प्रकट करते हुए मैं अपने सभी सहपाठियों का भी आभारी हूँ।

धन्यवाद

-: छात्रध्यापक :-
गणेश कुमार साह

Scanned by CamScanner

1.

प्रस्तावना

आधुनिक युग में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति लाने के लिए अनुसंधान कार्य को बहुत महत्व दिया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में आज अनेक ऐसी समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं, जिनका सामना शिक्षा से संबंधित प्रत्येक व्यक्तियों को करना पड़ता है। शिक्षा की विविध समस्याओं का समाधान करने के लिए और व्यवहारिक रुप से बांछित परिवर्तन करने के लिए शिक्षा क्षेत्र में भी शोध करने के शोधकार्य या अनुसंधान की आवश्यकता है। इस दृष्टि से शिक्षा क्षेत्र में जो अनुसंधान कार्य होते हैं वह शिक्षा के सैद्धांतिक पक्ष को सबल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। किन्तु शिक्षा के क्रियात्मक या व्यवहारिक पक्ष में अनुसंधान कार्य से कोई विशेष लाभ नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में एक ऐसी पद्धति की आवश्यकता का अनुभव किया गया जिसके फलस्वरुप विद्यालय से संबंधित समस्याओं का समाधान खोजा जा सके और विशिष्ट स्थिति में परिवर्तन और सुधार किया जा सके। इन विचारों के फलस्वरुप ही क्रियात्म

Scanned by CamScanner

अनुसंधान का महत्व बढ़ा।

"शैक्षिक तकनीकी का प्रमुख उद्देश्य है शैक्षिक प्रणाली और शिक्षण व्यवस्था को प्रभावशाली बनाना।"

"क्रियात्मक अनुसंधान शिक्षक की समस्याओं के समाधान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है। इसके अन्तर्गत शिक्षण की समस्याओं का वैज्ञानिक विधि से समाधान खोजा जाता है।"

क्रियात्मक अनुसंधान विद्यालयों की कार्य पद्धति में एवं विकास करने का एक सबल साधन है। इसके माध्यम से शिक्षक अपनी कक्षा तथा विद्यालय की समस्याएँ सुलझाने का प्रयत्न करता है। आज शिक्षा के क्षेत्र में नये-नये अनुसंधान होते जा रहे है जिनका उद्देश्य शिक्षा को उत्तम बनाना है और शिक्षा संबंधी समस्याओं को सुलझाना है। क्रियात्मक अनुसंधान में अनुसंधान की प्रक्रिया को गति प्रदान करता है।

क्रियात्मक अनुसंधान का अर्थ समझने के लिए पहले यह जानना अधिक

Scanned by CamScanner

अच्छा होगा कि अनुसंधान किसे कहते हैं और ये कितने प्रकार के होते हैं। अनुसंधान के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की संकल्पना को समझना ज्यादा आसान होगा।

Scanned by CamScanner

2. अनुसंधान का अर्थ

अनुसंधान समस्याओं के अध्ययन की वैज्ञानिक पद्धति है, जो ज्ञान की खोज के लिए किया जाता है।

गुनरों के अनुसार :- "अनुसंधान समस्याओं के सुलझाने की वह विधि है, जिसमें सुझावों की दृष्टि तथ्यों द्वारा की जाती है"

वास्तव में यह निरंतर गहरी तथा सोउद्देश्य प्रक्रिया है, जो सत्य की खोज करती है साथ ही इसका लक्ष्य उन्नति एवं उत्तम जीवन है।

कुक महोदय ने इसकी परिभाषा करते हुए लिखा है :-

अनुसंधान क्रमबद्ध रीति से सूचना एकत्रित करने वाली एक क्रिया है। यह किसी समस्या का ईमानदारी के साथ सांगोपांग एवं बुद्धिमता से किया गया संधान है, जो तथ्यों तथा अर्थों का पता लगाने के लिए किया जाता है। अनुसंधान के परिणाम प्रमाणिक, विश्वसनीय तथा ज्ञान के क्षेत्र में वृद्धि करने वाले होते है।

अतः कहा जा सकता है कि अनुसंधान एक क्रमबद्ध वैज्ञानिक वस्तुनिष्ठ तथा

Scanned by CamScanner

सोद्देश्य क्रिया है। जिसका प्रमुख ध्येय ज्ञात के क्षेत्र में वृद्धि करना, सत्यता की पुष्टि करना तथा नये तथ्यों, सत्यों एवं सिद्धांतों का निर्माण एवं प्रतिपादन करना होता है।

अनुसंधान का एक शैक्षिक अनुसंधान होता है। शैक्षिक अनुसंधानों का अंतिम लक्ष्य शिक्षण नियमों तथा उनकी पुष्टि करना होता है।

According to Good :-

Action research is research used by teachers, supervisors and administrators to improve the quality of their decisions and actions.

According to J.W. Best :-

Action research is focused on the immediate application, not on the development of theory. It has placed its emphasis on real problem here and now in a local setting.

Scanned by CamScanner

3. क्रियात्मक पक्ष

1. समस्या :-

कक्षा में छात्र - छात्राओं को भूगोल (Geography) विषय में रुचि का न होना।

2. विद्यालय का नाम :-

मिथिला उच्च विद्यालय मखनाही दरभंगा

3. कक्षा - 9वाँ

4. विद्यार्थियों की संख्या :-

5. विषय :- भूगोल (Geography)

6. अनुसंधान कर्ता का विवरण :-

नाम - गणेश कुमार साह

शैक्षिक योग्यता :- B. Ed.

शिक्षण अनुभव :-

Scanned by CamScanner

*प्रस्तावना :-

विद्यालय में कक्षा 9 छात्र-छात्राओं द्वारा भूगोल (Geography) विषय में रुचि न लेने की समस्या एक गंभीर समस्या है। जिसकी जानकारी उनकी उत्तर-पुस्तिकाओं का निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ। इस समस्या के कारण शिक्षक को पाठ को आगे बढ़ाने व एक पाठ के शिक्षण बिन्दुओं को दूसरे पाठ की कड़ी से जोड़ने में कठिनाई हो रही थी। इन सभी कारणों के परिणाम स्वरूप अन्य विषय की अपेक्षा भूगोल की परीक्षा में कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी अधिक है।

उद्देश्य :-

(i) विद्यार्थियों को भूगोल विषय में रुचि उत्पन्न करके उनको स्वाध्याय के लिए प्रेरित करना।

(ii) विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित करना।

(iii) विद्यार्थियों द्वारा गृहकार्य पूर्ण न होने का मुख्य कारण उनका विषय (भूगोल) में रुचि व भय का होना। जिसे दूर करने का प्रयास करना।

Scanned by CamScanner

4. समस्या से संबंधित कारकों का विश्लेषण

समस्या के कारणों का विश्लेषण निम्न तालिका के अनुसार किया जा सकता है।

क्रम संख्या	कारण	साक्ष्य	अनुमान तथ्य	शोधकर्ता नियंत्रण	
1.	भूगोल में रुचि का न होना।	निरीक्षण	तथ्य	स्थिति नियंत्रण में	प्रथम
2.	भूगोल की कक्षा में व्याख्यान का ध्यानपूर्वक न सुनना	निरीक्षण	तथ्य	स्थिति नियंत्रण में	द्वितीय
3.	शिक्षकों द्वारा सही शिक्षण विधियों व उचित सहायक सामग्री का प्रयोग करना।	पूछताछ	अनुमान	नियंत्रण	तृतीय
4.	शिक्षकों को पीछे की कतार में बैठे छात्र-छात्राओं पर उचित ध्यान का अभाव होना।	पूछताछ	अनुमान	नियंत्रण	चतुर्थ

Scanned by CamScanner

5. परिकल्पना

प्रथम परिकल्पना

द्वितीय परिकल्पना

* प्रथम परिकल्पना :-

भूगोल को अधिक रोचक बनाने के लिए उसे रोचक ढंग से पढ़ाये जाने वाले पाठ को और रोचक बनाने के लिए उचित सहायक सामग्री द्वारा पढ़ाया जाय तथा प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जाय तो उनमें भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न की जा सकती है।

* द्वितीय परिकल्पना :-

यदि विद्यार्थियों को प्रतिदिन गृह कार्य दिया जाए तथा उनकी प्रतिदिन जाँच की जाए तो विद्यार्थी के दृष्टिकोण में सुधार किया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

प्रथम परिकल्पना क्रियात्मक की पुष्टि हेतु रूपरेखा

क्रम संख्या	क्रियाएँ	विधि	साधन	समय
1.	विद्यार्थियों को भूगोल का अध्ययन कहानी के रूप में रोचक ढंग से उचित सहायक सामग्री का प्रमाण / प्रयोग करके पढ़ाना	शिक्षक द्वारा		4 दिन
2.	विद्यार्थियों को बारी-बारी से अध्याय का अध्यापन करने का अवसर देना ।	शिक्षक द्वारा पढ़ाकर बताना		4 दिन
3.	पढ़ाते समय बीच-बीच में अध्याय से संबंधित प्रश्न करते रहना ।	शिक्षण विधि		5 दिन
4.	पाठ यानि अध्याय का स्पष्ट रूप से पढ़ने वाले या उच्चारण करने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा करना	उदाहरण द्वारा पुनर्बलन		5 दिन
5.	छात्रों को प्रश्न करने व उत्तर देने के लिए प्रोत्साहन देना	प्रश्न विधि द्वारा		4 दिन

Scanned by CamScanner

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना की पुष्टि हेतु उद्देश्य।

क्रम संख्या	क्रियाएँ	विधि	स्थान	समय
1.	शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए विद्यार्थियों को जो समझाया जाए उसके आधार पर वाद - विवाद प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता करवाया जाय जिससे सभी विद्यार्थी इसमें अपना सहयोग कर सके और उसका ध्यान विषय पर केन्द्रित हो सके। कक्षा की असुविधा को दूर करने के लिए स्कूल प्रबंधक को कक्षा की असुविधा के बारे में बताना।	मौखिक तथा प्रश्नोत्तर विधि	कक्षा में ही दो टीम बनाकर प्रश्नों के माध्यम से एक प्रश्नोत्तरी करवाई।	4 दिन
2.	विषय से संबंधित चीजों को समझने के लिए विषय सामग्री का प्रयोग किया।	सहायक सामग्री	प्राचीन मुद्राओं, वितरण प्रणाली उत्पादन सामग्री प्लास्टिक, मनी ATM card etc के विषय में समझाना।	3 दिन

Scanned by CamScanner

Date :-

6\. परिणाम

औंकड़ों के व्यवस्थीकरण की पूर्व स्थिति

कक्षा	कुल छात्र	विषय में रुचि लेने वाले छात्र		विषय में रुचि नहीं लेने वाले छात्र	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
IX	30	6	20%	24	80%

योजना क्रियान्वयन के बाद की स्थिति

कक्षा	कुल छात्र	विषय में रुचि लेने वाले छात्र		विषय में रुचि नहीं लेने वाले छात्र	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
IX	30	27	90%	3	10%

Scanned by CamScanner

योजना क्रियान्वयन के बाद की स्थिति

y अक्ष - कुल छात्र
x अक्ष - समस्या

y अक्ष - छात्रों की संख्या
x अक्ष - समस्या

विषय में रुचि लेने वाले छात्र (सुधार)

सुधार छात्रों का प्रतिशत

विषय में रुचि न लेने वाले छात्र

अरुचि छात्रों का प्रतिशत

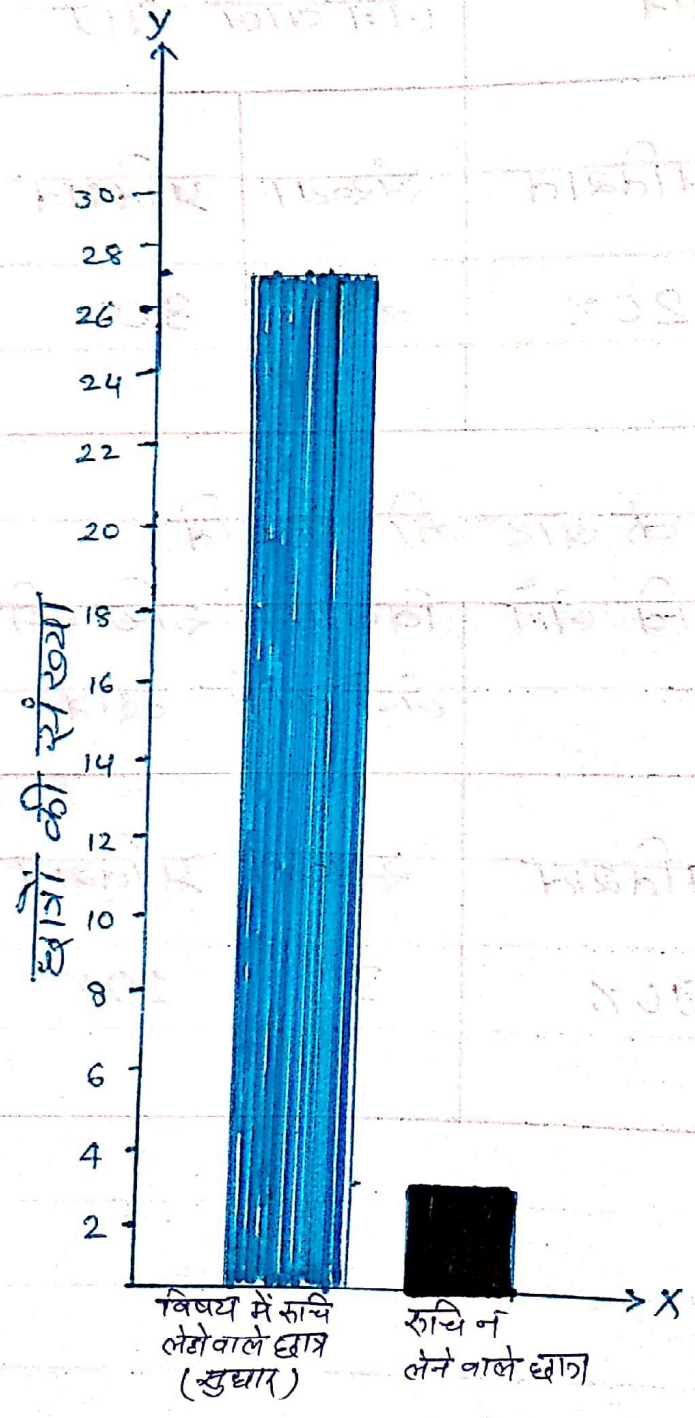

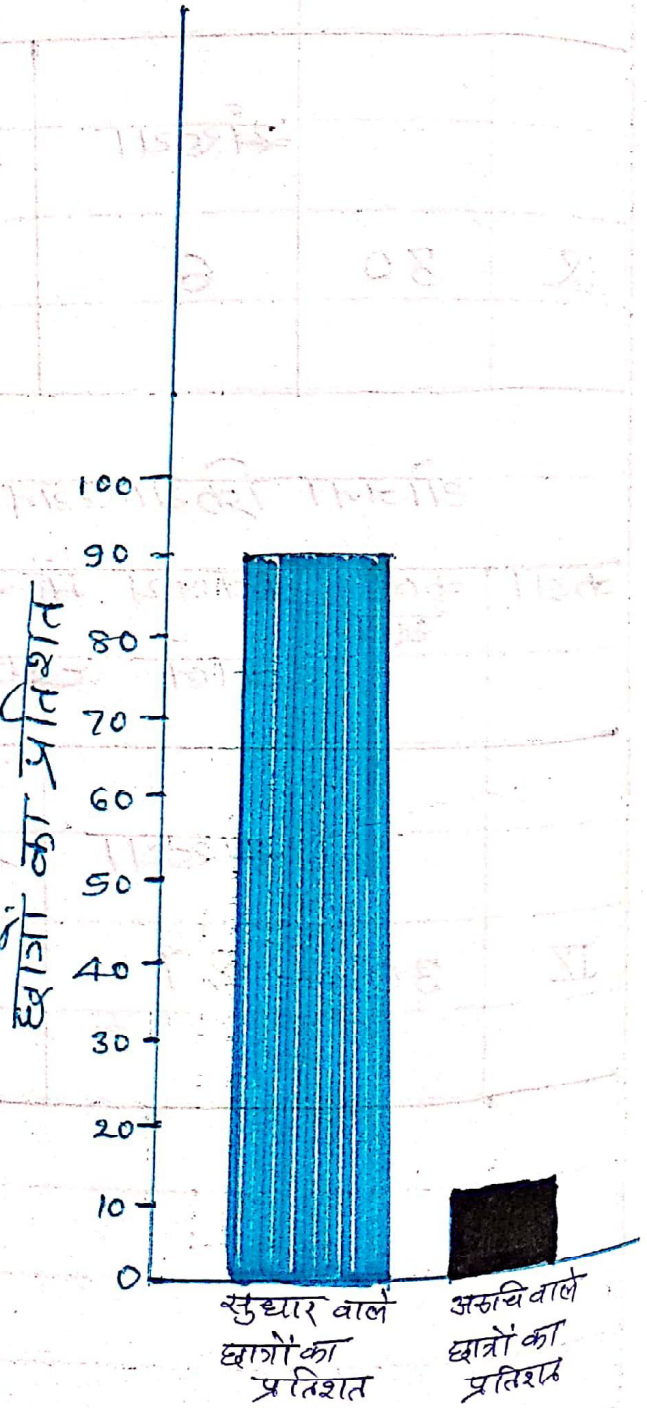

Scanned by CamScanner

* मूल्यांकन :-

क्रियात्मक परिकल्पना की पुष्टि हेतु प्राप्त आँकड़ों से स्पष्ट है कि समस्या में काफी सुधार हुआ पहले 24 विद्यार्थी को विषय के प्रति रुचि कम थी परंतु योजना क्रियान्वयन के बाद 24 विद्यार्थियों के दृष्टिकोण में विषय के प्रति रुचि उत्पन्न हुई व उनमें काफी सुधार हुआ है।

7. क्रियान्वयन विधि

कक्षा में कुल 30 विद्यार्थी थे। शिक्षण के दौरान पाया गया कि छात्र विषय में ज्यादा रुचि नहीं ले रहे हैं। समस्या दूर करने के लिए समस्या के कारणों को ज्ञात किया गया। उन कारणों की बाधाओं व उद्देश्यों को पूरा करने से पहले नियोजन यानि संरचना तैयार की गई फिर उसे कक्षा में क्रियान्वित किया व उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अपने शिक्षण विषय को अधिक प्रभावी व रुचिपूर्ण बनाया। विषय की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु कई विषय सहायक सामग्रियों द्वारा पाठ को पढ़ाने का प्रयत्न किया गया।

Scanned by CamScanner

परिणाम :-

कक्षा 9वीं में प्रथम दिन शिक्षण कार्य करने से यह ज्ञात हुआ कि कक्षा में 30 छात्र-छात्राएँ थी जिसमें से 24 विद्यार्थियों को विषय में रुचि न होने की समस्या पायी गई। उनकी इस समस्या को दूर करने के लिए प्रशिक्षित शिक्षक की व्यवस्था की गई। जिससे विद्यार्थियों को विषय में रुचि उत्पन्न हो सके यह कार्य 21 दिनों तक किया गया। फिर 30वें दिन यह देखा गया कि कक्षा में कुल 30 विद्यार्थियों में से 27 विद्यार्थियों के कार्य में सुधार हुआ।

परंतु

अब भी कुल 3 ऐसे विद्यार्थी है जिनके कार्य में सुधार नहीं हुआ अर्थात् 10% विद्यार्थियों को विषय में रुचि उत्पन्न करना आवश्यक है।

Scanned by CamScanner

8. परिणामों की व्याख्या

विषय का परिचय सरल रूप में प्रस्तुत किये जाने पर विद्यार्थियों के विषय को लेकर कम कठिनाई का अनुभव हुआ।

दृष्टांत कौशल के प्रयोग से विद्यार्थियों को "भूगोल" विषय शीघ्र समझ में आ गया।

उदाहरण या दृष्टांत अगर उनके दैनिक जीवन से संबंधित है, तो उनका ध्यान कक्षा में केन्द्रित होगा।

कक्षा में व्याप्त असुविधा को दूर कर देने से उनका ध्यान कक्षा में लगने लगा व उनकी परेशानी दूर हो गयी।

चार्ट (सहायक सामग्री) के प्रयोग से उन्हें विषय समझ में आ गया।

Scanned by CamScanner

9. निष्कर्ष

कक्षा IX के छात्रों पर क्रियात्मक अनुसंधान के फलस्वरूप निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए।

छात्रों की रुचि भूगोल (Geography) के प्रति जाग्रत की।

भूगोल के अध्यापनकार्य सरल से सरल शब्दों में किया जाए।

उदाहरण व प्रश्नोत्तर विधि से शिक्षण करना सरल हो गया तथा विषय छात्रों को समझ में आने लगा।

छात्रों को शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुनर्बलन मिलने से प्रोत्साहन मिला जिससे उनको विषय में अधिक से अधिक ध्यान दिया जाने लगा।

विषय में रुचि उत्पन्न हो जाने पर छात्रों द्वारा निर्धारित समय पर गृहकार्य पूरा होने लगे।

Scanned by CamScanner

10. -:सुझाव:-

1. शिक्षकों को छात्रों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए तथा उनकी समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

2. कक्षा में शिक्षण के दौरान बीच-बीच में इधर-उधर की बातें करके वातावरण को रोचक बनाना चाहिए।

3. विषय को छात्रों के मानसिक स्तर के अनुरूप पढ़ाना चाहिए।

4. उत्तम व उपयुक्त शिक्षण सहायक सामग्री का चुनाव कर शिक्षकों को छात्रों में रुचि जागृत करनी चाहिए।

5. नियमित रूप से शिक्षक को छात्रों को गृहकार्य (Homework) देना व आने से पूर्व (कक्षा में आतेही) तुरंत गृह कार्य की जाँच करनी चाहिए।

6. छात्रों को सही मुद्रा में बैठकर पढ़ने व उसके

Scanned by CamScanner

मार्गों को बताना चाहिए।

7. छात्रों को समय-समय पर प्रोत्साहन करते रहना चाहिए।

Scanned by CamScanner

संदर्भ ग्रंथ :-

1. पुस्तक का नाम - शैक्षिक तकनीकी का मूल आधार
लेखक का नाम - कुल श्रेष्ठ पी० डी०
पब्लिकेशन - आग्रवाल
सन - 2008

2. पुस्तक का नाम - शिक्षा में मनोविज्ञान
लेखक का नाम - मिश्रा डॉ० एम आर
प्रकाशक - आलोक प्रकाशन
सन - 2005

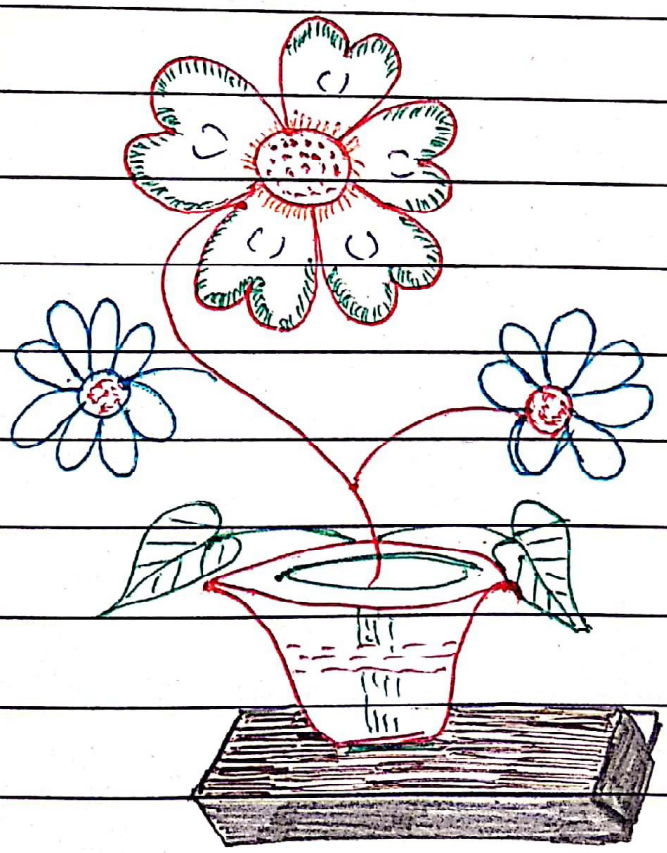

Scanned by CamScanner